डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 231 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 05 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

सवाल यह कि आपकी सफलता में अधूरेपन का मलाल क्यों आया...

बात लोकसभा चुनाव के नतीजों में उलटफेर भर की नहीं है। बात उन उलटबासियों की है, जिसका दोष यदि सिर्फ और सिर्फ आपको दिया जाए, तो शायद गलत नहीं होगा। मुमकिन है कि आप फिर से सरकार बना लें, लेकिन यह खुद आप भी जानते हैं कि मामला उतना असरकार नहीं होगा, जितना दिख रहा था। जैसा कि आप दिखा रहे थे।

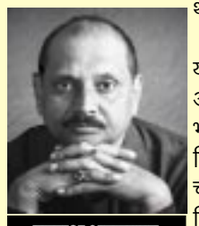

प्रकाश भटनागर

कहां तो चार सौ पार का दंभ और कहां हालात यह कि बहुमत के लिए कोहनी के बल रेंगने की नौबत आ गयी! निश्चित ही आपके ऊपर 'सब कर लेंगे' वाला भरोसा दिख रहा था। ऐसा परिदृश्य आपने ही निर्मित किया। 'आऊंगा तो मैं ही' वाले अति-आत्मविश्वास में चूर होकर। फिर भी ऐसा नहीं हो पाया। हां, जो आपके लिए कर सकते थे, उन्होंने उसमें कोई कसर नहीं छोड़ी। मध्यप्रदेश की सभी सीटों पर खिला कमल इस बात की एक नजीर मात्र है। इसके लिए निश्चित ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा बधाई के पात्र हैं। लेकिन खुद आप क्यों नहीं वह कर सके, जिसकी बात कह रहे थे?

चार सौ पार तो दूर, आप अपनी पार्टी के दम पर बहुमत के लिए आवश्यक आंकड़ा भी नहीं जुटा सके। हालांकि यह आप ही हैं, जिनके चलते बीते दो आम चुनावों में लगातार कमल का फूल अपनी दम पर स्पष्ट बहुमत के साथ खिला। निश्चित ही यह आप ही हैं, जिन्होंने ऐसे नतीजों के बाद भी सहयोगी दलों को पर्याप्त मान-सम्मान और पारितोषिक भी दिए। लेकिन, इस बार क्या हो गया? क्यों आप खुद ही अपनी गारंटी के ठीक आगे कहीं प्रश्नवाचक तो कहीं विस्मयादिबोधक चिन्ह से घिरे नजर आने लगे हैं? आखिर ऐसा क्या है कि जिन्हें आपने लगातार निशाना बनाया, वह राहुल गांधी रायबरेली सहित वायानाड में उतने मतों से जीत रहे हैं, जिस संख्या से बहुत कम (शर्मनाक) आंकड़े के साथ आप को जीत हासिल हो सकी? यह उलटबासी जैसा मामला ही है। कहीं न कहीं आप एक भयावह रिवर्स गेयर लगा बैठे। कम से कम बीते पांच साल के आपके आचरण का अवलोकन करें तो यह अनगिनत अवसर पर साफ़ है कि आप खुद को पार्टी से ऊपर मानने की प्रलयंकारी भूल कर बैठे। जो लोग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्त्ता के रूप में आपकी तत्कालीन तस्वीरों को पूजते हैं, खुद वह भी यह देखकर हताशा में आ गए होंगे कि किस तरह आपने संघ के लिए अपने उस संग को तिलांजलि दे दी। नतीजा सामने है। आपके ही कार्यकाल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सामाजिक समरसता के अपने अभियान को गति दी। उसके लिए जमकर पसीना बहाया। जाहिर है कि संघ का काम सरकार चलाना नहीं है। लेकिन कम से कम आपका कर्म तो संघ की नीति और नीयत को समझने का भी था। फिर समाज में एकता के विषय को भला कैसे किसी भी तरह से गलत कहा जा सकता है? लेकिन, आपने इस मामले में एक के बाद एक वह कदम उठाए कि संघ की कोशिशों से परे विपक्ष जातिगत आधार पर बहुसंख्यक वोट को भी भाजपा से नाराज कर अपनी ओर खींचने में लगभग पूरी तरह सफल हो गया।

आपकी उपलब्धियों पर कोई संदेह नहीं, उलटा गर्व है। लेकिन, उस सबका असर क्या हुआ? कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति सहित अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण की उपलब्धियां कैसे आपके वोटर के मस्तिष्क से तिरोहित हो गईं? आपकी लोकप्रियता और स्वीकार्यता आज भी नि:संदेह है, किंतु अब वह पड़ताल आपको ही करना होगी, जो आपके पक्ष के तमाम सकारात्मक पहलुओं के बाद भी आज के नतीजों में आपकी आशाओं के पहलू को कचोटने वाले अंदाज से भर गयी। खैर, सफलता फिर भी सफलता है, किंतु यदि उसमें मलाल का तत्व भी शामिल हो जाए, तो क्या उसका गौरव महसूस किया जाना चाहिए? यह आप ही तय कीजिए।

मंदसौर लोस: तीसरे नंबर पर रहा नोटा

संसदीय क्षेत्र के इतिहास की सबसे बड़ी जीत सुधीर के नाम

तीसरी बार बने सांसद, केन्द्र में कमजोर हुई भाजपा

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर संसदीय क्षेत्र के इतिहास में इस बार नोटा को सबसे ज्यादा वोट मिले। भाजपा व कांग्रेस के बाद तीसरे नंबर पर नोटा रहा। जबकि, बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार चौथे नंबर पर रहे। इधर एमपी में सभी 29 सीटो पर भाजपा का कब्जा हो गया तो भी उत्तर प्रदेश व राजस्थान में भाजपा को नुकसान हुआ। अयोध्या की फैजाबाद सीट से भी भाजपा उम्मीदवार समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार से लगभग 31 हजार वोटो से चुनाव हार गए। जबकि, अयोध्या का सर्वांगीण विकास करने में केन्द्र व यूपी सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सहित मोदी केबिनेट के कई मंत्री चुनाव हार गए। श्री मोदी स्वयं भी वाराणसी से करीब डेढ़ लाख वोटो से चुनाव जीत सके।

मंगलवार को ईवीएम में बंद तिलस्म खुला तो चुनाव प्रचार के दौरान से ही मौन मतदाताओं का जबर्दस्त समर्थन सांसद सुधीर गुप्ता को मिला। लगातार तीसरी बार जीते सांसद सुधीर गुप्ता ने पांच लाख से अधिक मतों की रिकॉर्ड जीत दर्ज की। इसके पहले 2019 के लोस चुनाव में उन्होंने 3 लाख 76 हजार 734 मतों से जीत दर्ज कर रिकॉर्ड बनाया था। इस रिकॉर्ड को फिर से सुधीर गुप्ता ने ही तोड़ दिया। भाजपा के सुधीर गुप्ता को 9 लाख 45 हजार 761 वोट मिले। वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीद्वार दिलीपसिंह गुर्जर को 4 लाख 45 हजार 106 मत मिले। इसके अलावा बाकी कोई भी छह उम्मीद्वार अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। इधर

नोटा के खाते में 11 हजार 662 वोट पड़े। इसके पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में नोटा में करीब 9 हजार मत गिरे थे।

04 जून की सुबह शुरू हुई मतगणना में भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता ने पहले राउंड से ही बढ़त बनाने का जो सिलसिला चालू किया, वह अंतिम राउंड तक बरकरार रहा। कांग्रेस प्रत्याशी दिलीपसिंह गुर्जर को पूरी मतगणना में ही खुश होने का मौका ही नहीं मिला। पहले राउंड में ही सुधीर गुप्ता अच्छे खासे मतों से आगे हो गए थे। उसके बाद तो बस बढ़त ज्यादा ही होती गई। लगभग हर राउंड में सुधीर गुप्ता को 30 हजार से अधिक मत प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी को 25 हजार से ज्यादा मत किसी राउंड में नहीं मिला। इसका नतीजा यह रहा कि भाजपा प्रत्याशी अंत में जाकर 5 लाख 655 मतों की बढ़त से विजयी हुए।

70 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले...

मंदसौर संसदीय क्षेत्र में 2024 के लोकसभा चुनाव में पुरुष मतदान 77.81 और महिला मतदान 72.65 फीसदी रहा। संसदीय क्षेत्र से 18 लाख 98 हजार 60 मतदाताओं में से 14 लाख 28 हजार 383 ने वोट दिए। कुल 9 लाख 57 हजार 883 पुरुषों में से 7 लाख 45 हजार 354 ने वोट दिए, वहीं 9 लाख 40 हजार 149 महिलाओं में से 6 लाख 83 हजार 14 ने वोट दिए। अन्य थर्ड जेंडर के कुल 28 वोटर में से 15 ने मतदान किया। मत प्राप्ती का प्रतिशत देखे तो सुधीर गुप्ता ने लगभग 70 प्रतिशत मत प्राप्त किए। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को लगभग 31 प्रतिशत मत मिले।

तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में सरकार बना रहे है हम...

भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता ने कहा कि मैं जनता को धन्यवाद देता हूं। कार्यकताओं के प्रयासों से जीत मिली है। कांग्रेस प्रत्याशी के ईवीएम पर लगाए आरोपों पर सुधीर गुप्ता ने कहा कि जहां-जहां जीते वहां की ईवीएम का भी रिकॉर्ड लाकर सामने रखे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। आरोप लगाना बहुत आसान है। तीसरी बार हम मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहे हैं।

जावरा से मिली 57 हजार से ज्यादा की बढ़त...

राष्ट्रवाद और मोदी लहर ऐसी चली कि बिना प्रचार के ही जावरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा सांसद सुधीर गुप्ता ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्हें यहां से 57 हजार 574 वोटों की बढ़त मिली। जो वर्ष 2019 के लोस चुनाव से 17 हजार 770 ज्यादा है। बल्कि आजादी के बाद से अब तक किसी भी सांसद की जावरा विधानसभा क्षेत्र में इतनी बड़ी जीत नहीं हुई।

गुर्जर ने जताई ईवीएम में गडबड़ी की आशंका...

कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप सिंह गुर्जर ने काउंटिंग प्रक्रिया और ईवीएम में गड़बड़ी होने की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा का सांसद जो कभी गांवों में नहीं गया है, उनका अपने कार्यकताओं में ही जबरदस्त विरोध था, उसके बाद भी इतना बड़ी लीड मिलना इस बात की ओर इशारा है कि ईवीएम में गड़बड़ी है। ईवीएम की बैटरी 98 प्रतिशत पाई गई है। जबकि कांग्रेस कार्यकताओं ने इसकी रीडिंग की थी तब 54 से 75 प्रतिशत तक थी। हमारे कार्यकताओं ने आपत्ति भी जताई। लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

सीसीटीवी की निगरानी में मतगणना...

मंदसौर लोकसभा सीट पर मंगलवार सुबह 8 बजे से मंदसौर लीड कॉलेज में वोटों की गिनती शुरू हुई। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा के सुधीर गुप्ता और कांग्रेस के दिलीप सिंह गुर्जर के बीच था। इस सीट से कुल आठ प्रत्याशी मैदान में थ। काउंटिंग 3 लेयर सिक्योरिटी में की गई।। इस सीट पर कुल दर्ज 18 लाख 98 हजार 60 वोटर में से 14 लाख 28 हजार 383 ने मतदान किया था। 8:30 बजे से ईवीएम के वोट गिने जाने लगे। हर मतगणना कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।

नीमच जिले की तीनो विधानसभाओ की मतगणना नीमच के शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय में हुई। जहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई। जावद, नीमच और मनासा विस क्षेत्र के मतों की गणना यहां पर हुई। मतगणना स्थल पर चुनाव आयोग के प्रेक्षक सहित जिले के सभी आला अधिकारी मौजूद रहे। तीन विधानसभा क्षेत्र की महाविद्यालय में अलग अलग कक्ष मे मतगणना की गई।

पिछले चुनाव में यह थी स्थिति...

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सुधीर गुप्ता को 8 लाख 47 हजार 786 वोट मिले थे। दूसरे स्थान पर रही कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन को 4 लाख 71 हजार 52 मत मिले थे। इससे पहले वर्ष 2014 में भी मंदसौर लोकसभा सीट से भाजपा के सुधीर गुप्ता ही जीते थे। उन्हें 6 लाख 98 हजार 335 वोट प्राप्त हुए थे। जबकि, कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन 3 लाख 94 हजार 686 वोट के साथ दूसरे स्थान पर रही थी।

किसे कितने वोट मिले...

भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता	9 लाख 42 हजार 249
कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप सिंह गुर्जर	4 लाख 43 हजार 622
कन्हैयालाल मालवीय (बसपा)	10 हजार 456
इस्माइल मेव	8 हजार 810
सुशील	3 हजार 432
सईद अहमद	3 हजार 165
मुरलीधर	2 हजार 682
विजय रण	2 हजार 314
नोटा	11 हजार 615

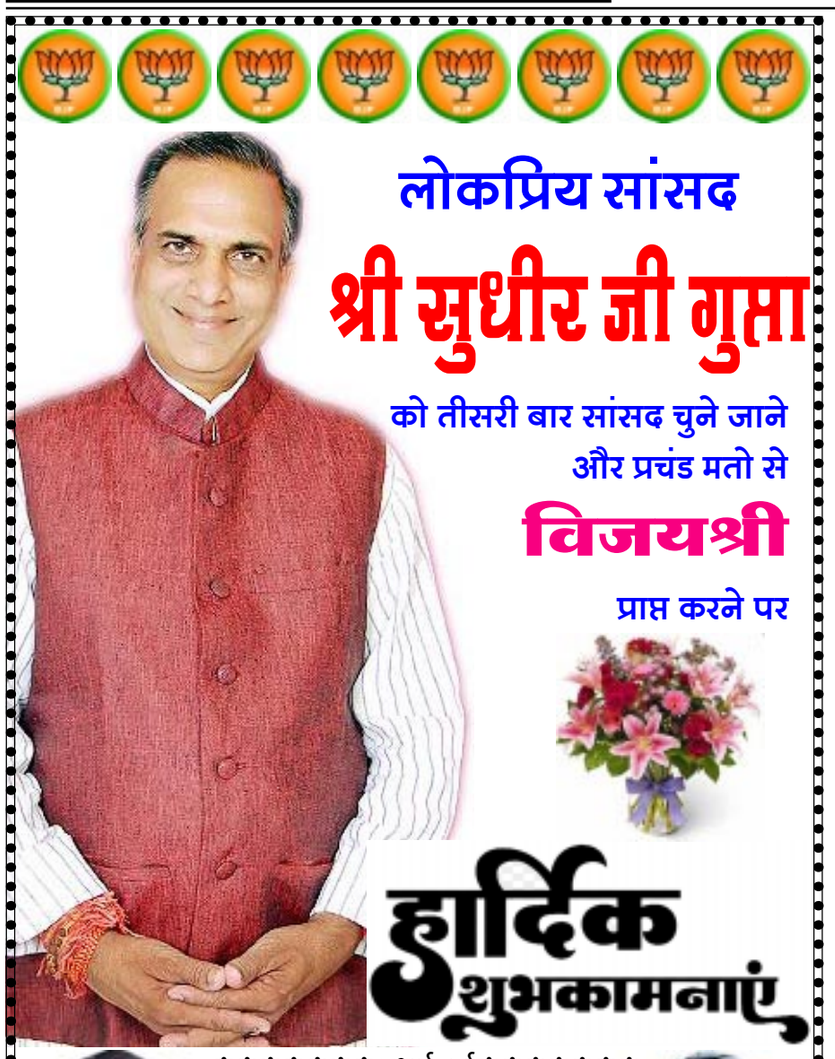

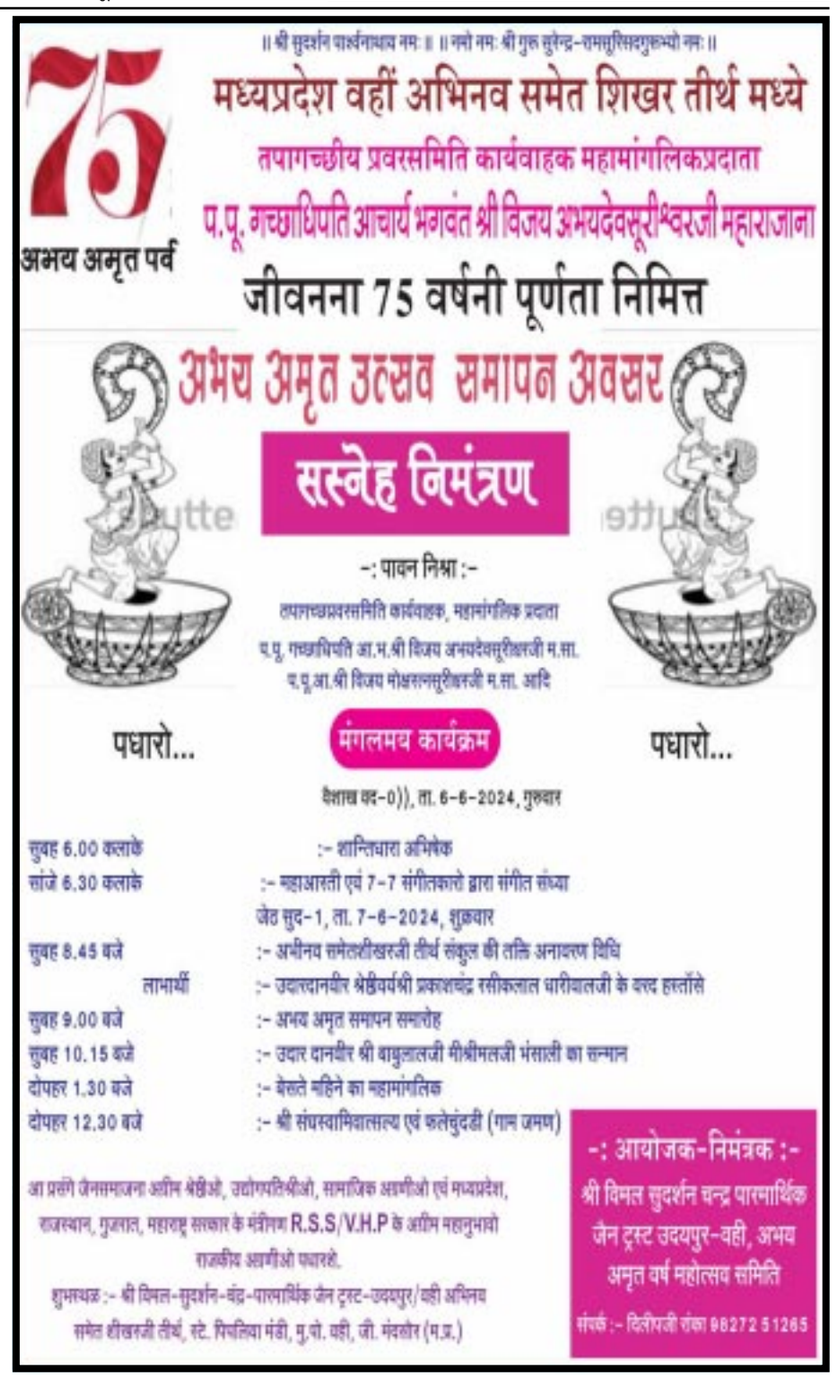

विचार-मंथन

आखिर शिकंजे में प्रज्वल रेवन्ना...

यौन उत्पीड़न मामले में आखिरकार प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है। जर्मनी से लौटते ही उन्हें बंगलुरु हवाई अड्डे पर विशेष जांच दल ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें छह दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पिछले महीने जब प्रज्वल के करीब तीन हजार महिलाओं के यौन उत्पीड़न की तस्वीरें सार्वजनिक होने लगी थीं, तब वे चुपके से जर्मनी भाग गए थे। तब राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष दल का गठन किया था। फिर उनके प्रत्यर्पण का दबाव बनना शुरू हो गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रज्वल का राजनयिक वीजा रद्द करने की गुहार लगाई थी। विशेष जांच दल ने उनके खिलाफ ब्लू कार्नर नोटिस जारी किया। इस मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई। तब प्रज्वल ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वे इकतीस मई को पुलिस के सामने समर्पण करेंगे। इस मामले में प्रज्वल के पिता और जेडीएस से विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं। उन पर भी यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चूंकि प्रज्वल ने भाजपा के साथ मिल कर इस बार लोकसभा का चुनाव लड़ा है, इसलिए उनके ऊपर लगे आरोपों की आंच उस तक भी पहुंची है। यह अब तक के यौन उत्पीड़न का सबसे बड़ा और वीभत्स प्रकरण है। आरोप है कि प्रज्वल रेवन्ना ने करीब तीन हजार महिलाओं का बलात्कार, यौन शोषण और उत्पीड़न किया और उनकी तस्वीरें भी उतारीं, जिनके जरिए उन्हें डरा-धमका कर अपना मुंह बंद रखने को मजबूर किया गया। उनमें घर की नौकरानी से लेकर दफ्तर में काम करने वाली, पार्टी कार्यकर्ता आदि महिलाएं शामिल हैं। उनमें उम्र का भी ध्यान नहीं रखा गया। कुछ ऐसी महिलाओं के उदाहरण भी हैं, जिनके बेटे के सामने उनका बलात्कार किया गया। चूंकि प्रज्वल खुद सांसद हैं और उनके पिता विधायक, फिर इन दोनों की एक दबंग छवि है, इसलिए महिलाओं ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं जुटाई। मगर जब प्रज्वल द्वारा उतारी तस्वीरों की फाइल किसी तरह बाहर आई और लोगों में फैलाई जाने लगी, तो कुछ महिलाएं हिम्मत जुटा कर सामने आईं और शिकायत दर्ज कराई। ऐसे में अब लोगों की नजरें विशेष जांच दल की कार्रवाइयों और अदालत के फैसले पर टिकी हुई हैं कि पीड़ित महिलाओं को कितना इंसाफ मिल पाता है। यौन उत्पीड़न और बलात्कार के मामलों में दोष सिद्धि और सजा की दर बहुत कम है। ऐसे मामलों में अगर रसूखदार लोग शामिल हों, तो पीड़िता को इंसाफ मिलने की उम्मीद धूमिल ही रहती है। ऐसे में प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता पर लगे आरोपों की कितनी निष्पक्ष और प्रभावी जांच हो पाएगी, यह देखने की बात है। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ या लंबे समय तक जो यौन उत्पीड़न सहती रहीं, उनमें से अब भी बहुत सारी समाज और परिवार के भय से मुंह खोलने से बचती देखी जा रही हैं। इसका यह अर्थ नहीं मान लिया जाना चाहिए कि उनके साथ अत्याचार हुआ ही नहीं। साक्ष्यों को तोड़ने-मरोड़ने और कानूनी बारीकियों की मनचाही व्याख्याएं करके आरोपी को बचाने की हर कोशिश की जाएगी, मगर मामले की निष्पक्ष और गंभीरता से जांच हो तो अदालत को सही नतीजे पर पहुंचने में मदद मिलेगी। इसलिए फिलहाल जांच दल पर निगाहें टिकी हुई हैं कि वह इस मामले को ऐसे निर्णय तक पहुंचाए, जो नजीर बन सके।

संविधान बदलने का मुद्दा सिर्फ चुनावी

अंकु श्रीवास्तव

ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि सभी चरणों के चुनावों के बाद विपक्ष एक मुद्दा सतह पर ऐसा लाने में सफल हो गया है, जो दलित समाज के एक वर्ग में कुछ हद तक काम कर रहा है। कितना किया, यह कहा नहीं जा सकता लेकिन राजनीतिक फिजा में इसकी रंगत दिखी। भाजपा के 400 पार के नारे से निकली इस हवा को भाजपा के कुछ नेताओं ने ही रंगत दी और इसकी आग को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को यह तक कहना पड़ा कि आज अगर खुद अंबेडकर चाहें तो भी संविधान नहीं बदल सकते। क्या सचमुच संविधान खतरे में है - लेकिन क्या वाकई दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र के संविधान को खत्म किया जा सकता है? क्या वाकई देश का संविधान खतरे में है भी या नहीं। दरअसल, भारतीय संविधान में संशोधन तो किया जा सकता है लेकिन इसे खत्म नहीं किया जा सकता और न ही इसकी मूल संरचना में कोई बदलाव किया जा सकता है। संविधान के खात्मे को लेकर की जा रही बयानबाजी महज वोट बैंक की सियासत का हिस्सा मात्र है। संविधान लागू होने के बाद से अब तक इसमें कुल 106 बार संशोधन किए गए हैं लेकिन संविधान की मूल संरचना आज भी वही है। इंदिरा गांधी सरकार के कार्यकाल के दौरान संविधान में एक संशोधन के माध्यम से इतने बदलाव किए गए जिसके चलते इसे कॉन्स्टिच्यूशन ऑफ इंडिया की जगह कॉन्स्टिच्यूशन ऑफ इंदिरा तक कहा गया

लेकिन संविधान की मूल संरचना अक्षुण्ण ही रही। नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में भारतीय संविधान में 8 बार संशोधन किए गए और उससे पूर्व की सरकारों के 64 वर्षों के कार्यकाल के दौरान 98 बार संविधान को संशोधित किया गया। दुनिया के किसी भी संविधान में अब तक इतने संशोधन संभवतः नहीं किए गए हैं। भारतीय संविधान में 3 प्रकार के संशोधन की व्यवस्था दी गई है लेकिन यह संविधान खत्म करने की इजाजत नहीं देता है। इनमें 2 प्रकार के संशोधन अनुच्छेद 368 के तहत किए जाते हैं। पहले प्रकार के संशोधनों में वे शामिल हैं जिन्हें संसद के प्रत्येक सदन में 'साधारण बहुमत' द्वारा पारित किया जा सकता है। दूसरे प्रकार के संशोधन संसद द्वारा प्रत्येक सदन में निर्धारित 'विशेष बहुमत' द्वारा प्रभावी किए जा सकते हैं; और तीसरे प्रकार के संशोधनों के लिए संसद के प्रत्येक सदन में ऐसे 'विशेष बहुमत' के अलावा, देश के कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं की मंजूरी भी अनिवार्य है। पहला संविधान संशोधन 18 जून 1951 को किया गया। इसके तहत राज्य को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के विकास के लिए विशेष प्रावधान करने का अधिकार प्रदान किया गया। एक नवम्बर 1956 को संविधान में सातवां संशोधन किया गया। इसके तहत राज्य पुनर्गठन अधिनियम के माध्यम से 14 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों का गठन किया गया। 1971 में 24वां संशोधन किया गया। इस संशोधन के माध्यम से यह स्पष्ट हो गया कि संसद अनुच्छेद 368 का उपयोग करके अनुच्छेद 13 सहित संविधान के किसी भी हिस्से में संशोधन कर सकती है, अर्थात् संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन करने की शक्ति दी गई। 1971 में ही 26वां संशोधन किया गया। इसके तहत रियासतों के शासकों को दिए जाने वाले प्रिवीपर्स अर्थात विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया। 1975 में 38वां संशोधन किया गया। इसके तहत राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। 1976 में संविधान में 42वां संशोधन किया गया। इसके तहत संविधान की प्रस्तावना में 3 नए शब्द समाजवादी, धर्म निरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए। संसद और राज्य विधानमंडल लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया। इसने ट्रेड यूनियन गतिविधि को कम करने की शक्ति वाले प्रावधान पर रोक लगाई। संवैधानिक संशोधन पर न्यायिक समीक्षा को प्रतिबंधित कर दिया गया। राष्ट्रपति के लिए मंत्रिपरिषद की सलाह को बाध्यकारी बनाया गया। शिक्षा, वन, वजन और माप, वन्य जीवों और पक्षियों का संरक्षण, न्याय का प्रशासन जैसे 5 विषयों को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया गया। अनुच्छेद 329क के तहत लोकसभा अध्यक्ष और प्रधानमंत्री को कुछ विशेष विवेकाधीन शक्तियां दी गईं। न्यायपालिका की न्यायिक समीक्षा और रिट क्षेत्राधिकार की शक्ति को सीमित किया गया। 1978 में जनता पार्टी की सरकार ने संविधान में 44वां संशोधन किया। 1985 में 52वां संशोधन किया गया जिसके तहत दलबदल के खिलाफ कानून बनाकर संविधान में 10वीं अनुसूची जोड़ी गई। 1989 में 61वां संशोधन करते हुए मतदान की उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई। 1992 में 73वां संशोधन किया गया। इसके तहत पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। 1992 में ही संविधान में 74वां संशोधन करते हुए शहरी स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। वर्ष 2002 में संविधान में 86वां संशोधन करते हुए 6 से 14 साल की उम्र तक के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में शामिल किया गया। 2003 में किए गए 91वें संशोधन के तहत केंद्र और राज्यों में मंत्रिमंडल का दायरा सीमित किया गया। 2014 में कॉलेजियम प्रणाली के स्थान पर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। 2017 में 101 वां संशोधन करते हुए जी.एस.टी. की शुरुआत की गई। 2019 में 103वां संशोधन कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया। 2020 में 104वां संशोधन कर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एंग्लो इंडियन समुदाय के लिए आरक्षित सीटों के प्रावधान को हटा दिया गया। 2023 में 106वां संशोधन महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के लिए किया गया। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

गुम होते पारंपरिक स्वाद और रसोई का अंदाज...

खुशी श्रीवास्तव

हमारा देश भारत अपने विविध और समृद्ध खाद्य संस्कृति के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। मगर यह आज तेजी से बदलते समय के साथ अपने पारंपरिक स्वादों को खोता जा रहा है। मौसम के साथ बदलते व्यंजन और उनके अनूठे स्वाद भारतीय भोजन की पहचान रहे हैं। गर्मी की धूप में पके आम का खट्टा-मीठा स्वाद और ताजे मथे हुए छाछ की ठंडक आदि यह सब एक समय भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा थे। हालांकि अब यह देखा जा रहा है कि आधुनिकता और वैश्वीकरण के प्रभाव ने इन पारंपरिक स्वादों को बदल दिया है। शहरीकरण के प्रसार और बाजारों की कड़ियों की बढ़ती संख्या ने हमारे खाने की आदतों को प्रभावित किया है। मिलावट और खाद्य पदार्थों की शुद्धता से होता समझौता भी इन बदलावों का एक प्रमुख कारण है। दूध, जो कभी पोषण और शुद्धता का प्रतीक था, आज मिलावट का शिकार हो चुका है, जिससे उसका स्वाद और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जो दूध पवित्रता का प्रतीक था, उसे अक्सर पानी और मिलावट से पतला कर दिया जाता है, जिससे उसका समृद्ध स्वाद एक पतले, नीरस तरल पदार्थ में बदल जाता है। आजकल मिलावटी और अन्य खतरनाक सामग्रियों से बना दूध एक अलग समस्या पैदा कर रहा है। इसी तरह, घी की जगह वनस्पति तेलों का उपयोग और पारंपरिक खेती के तरीकों का ह्रास भी हमारे भोजन की गुणवत्ता और स्वाद पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के महत्वपूर्ण स्वाद और गंध में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। फलों की विशिष्ट मिठास अब पहले जैसी नहीं रही और दुग्ध उत्पादों और मिष्ठान्न का स्वाद भी पहले जैसा नहीं रह गया। ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि बचपन के बीतते समय के साथ ये सभी स्वाद भी कहीं लुप्त हो गए। आज के बदलते परिदृश्य में न केवल खोए हुए स्वादों की खोज है, बल्कि उन मूल्यों की भी तलाश है, जिन्होंने इन स्वादों को असाधारण बनाया था। पहले के स्वादों को फिर अनुभव करने की यह कोशिश अब हर बार अधूरी ही महसूस होती है, मानो समय के साथ खाद्यान्नों का स्वाद भी खो गया हो। पुराने दौर की सादगी में भोजन परिवार, परंपरा और अपनेपन का उत्सव हुआ करता था। जैसा कि रवींद्रनाथ ठाकुर ने एक बार कहा था, 'सबसे अच्छा भोजन वह है, जिसके लिए हम सबसे कम कीमत चुकाते हैं; वह भोजन जो हमारे अपने हाथ तैयार करते हैं।' आज यह देखा जा रहा है कि हमारे शहरों की व्यस्त सड़कें, जो कभी पारंपरिक भोजन विक्रेताओं और मसालों के बाजारों की सुगंध से जीवित थीं, अब शहरीकरण और आधुनिक भोजन केंद्रों की कड़ियों वाली निर्जीव गलियों में बदल गई हैं। हमारे रसोईघर जहां कभी शुद्धता और परंपरा की सुगंध मिलती थी, मिलावट का मौन चोर उसमें घुसपैठ कर चुका है। यह बहुत सूक्ष्मता से हमारे खाद्य की संरचना में घुलमिल गया है और उन्हें उनके वास्तविक स्वाद और गुणों से वंचित कर केवल उनके पूर्व रूप की एक प्रतिध्वनि मात्र बना कर छोड़ा है। देसी घी, जिससे कभी मिष्ठान्न गहरे स्वाद से समृद्ध बनते थे, उसे अक्सर वनस्पति या अन्य हाइड्रोजनीकृत वसा से बदल दिया जाता है। यह प्रतिस्थापन न केवल स्वाद को घटाता है, बल्कि स्वास्थ्य को भी खतरे में डालता है। आजकल भारतीय भोजन को उसकी विशेष पहचान देने वाले मिर्च-मसालों के विषय में भी बनावटी नकली रंगों, लकड़ी आदि के बुरादे और अत्यधिक रसायनों के प्रयोग की घटनाएं सामने आने लगी हैं। मिलावट ने अब मिर्च-मसालों को भी वंचित नहीं रहने दिया। पारंपरिक खेती के तरीके, जो ताजगी और प्राकृतिक स्वादों पर जोर देते थे, अब औद्योगिक तकनीकों द्वारा परिवर्तित कर दिए गए हैं जो बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की दक्षता पर केंद्रित हैं। छोटे पैमाने से बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादन के इस बदलाव ने हमारे भोजन की गुणवत्ता और स्वाद को नाटकीय रूप से बदल दिया है। कीटनाशकों, जीएमओ और अन्य आधुनिक खेती तकनीकों का उपयोग फलों और सब्जियों के स्वाद को प्रभावित करता है। कीटनाशक अवशेष प्राकृतिक स्वादों को बदलते हैं, जबकि जीएमओ अक्सर पैदावार और कीट प्रतिरोध के लिए तैयार किए जाते हैं, न कि स्वाद के लिए। वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की उपलब्धता ने भी पारंपरिक स्वादों के प्रति धारणाओं को बदल दिया है। दक्षता की दौड़ में हमने अपनी खाद्य संस्कृति को भारी हानि पहुंचाई है। इस भागदौड़ के समय में जहां सुविधा अक्सर प्रामाणिकता पर हावी हो जाती है, हमें याद रखना चाहिए कि हमारा भोजन हमें हमारी जड़ों से, हमें खिलाने वाले हाथों से और उन क्षणों से जो हमें आकार देते हैं, सभी से जोड़ने की शक्ति रखता है। इसलिए यह और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम उन प्रथाओं का समर्थन करें जो हमारी पाक कला और संस्कृति का सम्मान करती हैं।

ईरान के लिए क्या है सबसे बड़ा सवाल

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की पिछले दिनों हेलिकॉप्टर दुर्घटना में हुई अकाल मौत ने ईरान और पश्चिम एशिया क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। यह घटना इस्राइल-हमास संघर्ष की पृष्ठभूमि में ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। ध्यान रहे, इस संघर्ष में 35,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। खास बात यह कि ईरान इस संघर्ष का एक पक्ष है। यह इराक, सीरिया, लेबनान और यमन में अपने प्रॉक्सी के जरिए इस्राइली राज्य के खिलाफ प्रतिरोध में शामिल है और इसे 'प्रतिरोध की धुरी' बताता है। वैसे, शुरुआती जांच के मुताबिक, यह मौत एक दुर्घटना थी। इसके पीछे किसी तरह की अंतरराष्ट्रीय या घरेलू साजिश की संभावना को अधिकारियों ने खारिज कर दिया है। इब्राहिम रईसी की इस अचानक और दुखद मृत्यु का पहला प्रभाव ईरानी राजनीति पर पड़ने वाला है। सबसे बड़ा सवाल जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है, यह है कि रईसी का उत्तराधिकारी कौन होगा। ईरान के लोगों के मन में दूसरा सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का उत्तराधिकारी कौन बनेगा? इब्राहिम रईसी एक कट्टर धार्मिक प्रचारक थे, जिन्हें अयातुल्लाह अली खामेनेई की अगुआई वाली ईरान की सर्वोच्च परिषद के सदस्यों का वरदहस्त हासिल था। 1980 के दशक में केवल 25 वर्ष की उम्र में वह ईरान के स्टेट प्रॉसीक्यूटर बन गए थे। उन्हें ईरान में इस्लामी शासन की मजबूत नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। हालांकि इस क्रम में वह इस्लामी गणराज्य का विरोध करने वाले बहुत से लोगों की फांसी के लिए भी जिम्मेदार ठहराए जाते हैं। इस्लामी गणराज्य ईरान में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए, उन्हें अक्सर सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। बहरहाल, रईसी की मौत किसी भी तरह से ईरानी राजनीति में कोई बड़ा बदलाव लाएगी, इसके कोई आसार नहीं दिखते। हालांकि ईरान में नियमित शासन संचालन में उनकी अहम भूमिका रहती थी और वह कट्टरपंथियों की पसंद माने जाते थे। उनके नेतृत्व में, ईरान ने इस्राइल पर हमला करके अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और चीन, भारत और रूस जैसी बड़ी शक्तियों के साथ दोस्ती की। हालांकि उन्होंने या धार्मिक नेतृत्व ने इस्राइल या अमेरिका के साथ सीधे टकराव मोल नहीं लिया, लेकिन इस क्षेत्र में अपनी सैन्य शक्ति का एहसास कराने में पीछे नहीं रहे। रईसी की विदेश नीति की प्राथमिकताएं कई लिहाज से सराहनीय मानी जाती हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का समर्थन किया। उसे ड्रोन की सप्लाई की। रूस भी चीन को पीछे छोड़ते हुए ईरान में सबसे बड़ा निवेशक बन गया। चीन के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखने में भी वह उतने ही कामयाब रहे। वह 20 वर्षों में चीन का दौरा करने वाले पहले ईरानी राष्ट्रपति बने और अरबों डॉलर के 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। 2023 में चीन को ईरान का तेल निर्यात 50 प्रतिशत बढ़ गया। उन्होंने 2023 में ईरान को शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता दिलाई और 2024 में भारत के आमंत्रण पर वृहद-ब्रिक्स के सदस्य बने। उनके शासन के दौरान ईरान और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक संबंध स्थापित होना भी एक बड़ी घटना रही। यही नहीं अमेरिका, इस्राइल और अन्य शक्तियों की आपत्तियों के बावजूद उन्होंने परमाणु संवर्धन कार्यक्रम की योजना जारी रखी। यह त्रासदी ऐसे समय हुई है, जब इस्राइल और ईरान के बीच सैन्य तनाव चरम पर है। 1979 में एक इस्लामी राष्ट्र बनने के बाद से पहली बार ईरान ने सीधे इस्राइल पर हमला किया और जवाब में इस्राइल ने भी इस्फहान में हवाई हमले किए। इस्राइल-हमास संघर्ष के निकट भविष्य में अंत का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। पूरे मामले का केंद्रबिंदु यह है कि ईरान में दो उत्तराधिकार कैसे तय होते हैं- एक नए राष्ट्रपति का चुनाव कैसे होता है और ईरान के सर्वोच्च नेता का दीर्घकालिक उत्तराधिकारी कौन होता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5256

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5255

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5256

संकेत: बाएं से दाएं

1. [illegible] (4)
5. [illegible] (3)
8. [illegible] (4)
9. [illegible] (3)
10. [illegible] (4)
12. [illegible] (2)
14. [illegible] (2)
16. [illegible] (3)
18. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
23. [illegible] (4)
25. [illegible] (3)
26. [illegible] (3)
27. [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (5)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (2)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (2)
6. [illegible] (3)
7. [illegible] (4)
11. [illegible] (4)
13. [illegible] (2)
15. [illegible] (2)
17. [illegible] (4)
19. [illegible] (4)
20. [illegible] (2)
22. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)
24. [illegible] (2)
25. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5255 का हल

[illegible]

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

मंदसौर-नीमच-जावरा संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना की चित्रमय झलकियां...

मंदसौर संसदीय क्षेत्र से सुधीर गुप्ता निर्वाचित घोषित

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन की मतगणना आज स्थानीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संपन्न हुई। मतगणना के बाद रिटर्निंग अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने भारतीय जनता पार्टी के श्री सुधीर गुप्ता को निर्वाचित घोषित किया तथा उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। श्री सुधीर गुप्ता को कुल 945761 मत प्राप्त हुए। जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह गुर्जर को 445106, श्री कन्हैयालाल मालवीय (बहुजन समाज पार्टी) को 10512, श्री इस्माइल खां मेव (निर्दलीय) को 8826, श्री मुरलीधर (निर्दलीय) को 2696, श्री विजय रण (निर्दलीय) को 2323, श्री सईद अहमद (निर्दलीय) को 3167 एवं श्री सुशील (निर्दलीय) को 3439 मत प्राप्त हुए।

भारतीय जनता पार्टी के श्री सुधीर गुप्ता को कुल 945761 मत प्राप्त हुए जिसमें जावरा विधानसभा क्षेत्र से 115876, मंदसौर विधानसभा क्षैत्र से 122465, मल्हारगढ विधानसभा क्षैत्र से 125457, सुवासरा विधानसभा क्षैत्र से 136618, गरोठ विधानसभा क्षैत्र से 124163, नीमच विधानसभा क्षैत्र से 118907, जावद विधानसभा क्षैत्र से 92909 एवं मनासा विधानसभा क्षैत्र से 105854 मत प्राप्त हुए। जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह गुर्जर को कुल 445106 मत प्राप्त हुए। जिसमें जावरा विधानसभा क्षैत्र से 58302, मंदसौर विधानसभा क्षैत्र से 72269, मल्हारगढ विधानसभा क्षैत्र से 62117, सुवासरा विधानसभा क्षैत्र से 68009, गरोठ विधानसभा क्षैत्र से 53655, नीमच विधानसभा क्षैत्र से 50721, जावद विधानसभा क्षैत्र से 37738 एवं मनासा विधानसभा क्षैत्र से 40811 मत प्राप्त हुए। प्राप्त कुल 6109 डाक मतपत्रों में सें विधिमान्य मत 5147 प्राप्त हुए। जिसमें से भारतीय जनता पार्टी के श्री सुधीर गुप्ता को कुल 3512 डाकमत प्राप्त हुए। जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह गुर्जर को 1484 , श्री कन्हैयालाल मालवीय (बहुजन समाज पार्टी) को 56, श्री इस्माइल खां मेव (निर्दलीय) 16, श्री मुरलीधर (निर्दलीय) 14, श्री विजय रण (निर्दलीय) 9, श्री सईद अहमद (निर्दलीय) 2, श्री सुशील (निर्दलीय) 7 एवं नोटा को 47 डाकमत प्राप्त हुए। मंदसौर संसदीय क्षैत्र में नोटा का बटन कुल 11662 मतदाताओं ने दबाया।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न– जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतगणना का कार्य आज संपन्न हो गया। निर्वाचन प्रक्रिया के स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने सभी को बधाई देते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि लोकतंत्र के इस महायज्ञ में सभी अधिकारी-कर्मचारियों, पुलिस अधिकारियों एवं जवानों आदि सभी ने सराहनीय कार्य किया है। उन्होनें सभी अभ्यर्थियों, राजनैतिक दलों, सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों, मतगणना कर्मियों, माईक्रो आब्जर्वर के रूप में तैनात केन्द्रीय विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं जिले के सभी मीडिया प्रतिनिधियों का निर्वाचन कार्य में सहयोग के लिए बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया है।

जमीन बंटवारे के विवाद में पीटा, 4 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। जमीन बंटवारे के विवाद को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। ढिकनिया निवासी भारत पिता गेंदमल बावरी ने पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि हम 5 भाई है, जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है, मेरे पास लालसिंह बावरी, विजय बावरी, जगदीश व दरबार बावरी जमीन बंटवारे को लेकर विवाद किया व मारपीट की, लकड़ी से सिर पर मारी व घर का कूलर तोड दिया। बीच-बचाव करने आई मेरी मां प्रेमबाई व मेरे पिता गेंदमल के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

मेड फाटने की बात पर पीटा, 2 भाईयों पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। खेत की मेड फाड़ने का आरोप लगाकर किसान को पीटा, पुलिस ने दो भाईयों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। शक्करखेड़ी जागीर निवासी कारुसिंह पिता बगदीराम डांगी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत के पड़ोसी रामदयाल पिता कन्हैयालाल पोरवाल व उसके भाई घनश्याम ने कहा कि खेत की मेड क्यों फाडी, मैंने मना किया तो दोनों ने गाली-गलौज कर लात-घुसों से पीटा व सलिए की सिर पर मारी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने दोनों भाईयों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

इंडियन एयरफोर्स का सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट, को पायलट सेफ

नासिक, 4 जून। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को क्रैश हो गया। हादसा महाराष्ट्र के नासिक में हुआ है। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि विमान विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। उन्हें ए च ए ए ल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने आगे बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। विमान के हिस्से 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया।

सुखोई एसयु-30 एमकेआई जेट की खासियत– रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर एयरक्राफ्ट माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है। इनमें से कुछ एयरक्राफ्ट को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है। सुखोई विमान 3,000 किलोमीटर तक हमला कर सकता है, जबकि इसकी क्रूज रेंज 3,200 किलोमीटर तक है और कॉम्बेट रेडियस 1,500 किलोमीटर है। वजन में भारी होने के बावजूद यह लड़ाकू विमान अपनी तेज़ गति के लिये जाना जाता है। यह विमान आकाश में 2,100 किलोमीटर प्रति घंटा की तेज रफ्तार से फर्राटा भर सकता है।

हम किसी भी जाति, धर्म या संप्रदाय के हो अथवा किसी भी राजनीतिक दल के हो, हम सबके खून का रंग भगवा ही है-जैन

नीमच, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। हम किसी भी जाति धर्म के मानने वाले हों। सबसे पहले हम भारतीय हैं और हम सबके अंतर्मन में भगवा रंग बसा हुआ है। आज पूरा देश राममय और भगवामय है।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा नीमच के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक संगठन मंत्री रोशनलाल जैन की सेवानिवृत्ति का कार्यक्रम कुटुंब प्रबोधन दिवस के रूप में श्री वी.के. सकलेचा सामुदायिक भवन, मोरवन विश्राम गृह पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन मंत्री हिम्मतसिंह जैन, प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पुनी एवं कुटुंब प्रबोधन के मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख पत्र 'जागृत मालवा' के प्रधान संपादक, विद्या भारती, ग्राम भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रांतीय सह संगठन मंत्री देवकृष्ण व्यास (देवास), सुलेखाचार्य शर्मा जी (इंदौर) एवं संगठन मंत्री बद्रीलाल पुरोहित व पितलिया परिवार के मुखिया पारसमल जैन रहे। कार्यक्रम के आरंभ में सभी अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। सरस्वती वंदना हाई स्कूल मोरवन प्रभारी श्रीमती किरण जैन द्वारा प्रस्तुत की गई। संगठन गीत 'संगठन गढे-चलो सुपंथ पर बढे चलो' जिला सह सचिव कमलेश बाडीका द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पुनी ने किया। रोशनलाल जैन व पितलिया परिवार द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत, तिलक लगाकर व शाल श्रीफल भेंट कर, सुमित जैन के सहयोग से किया। प्रांतीय संगठन मंत्री हिम्मतसिंह जैन ने संबोधित करते हुए कहा हमें अपने समाज, देश और धर्म के लिए सतत कार्य करते रहना है। हम अपने कार्यों सें समाज के पथ को सदैव आलोकित करते रहें। पूरा समाज आशा भरी निगाहों से शिक्षकों की ओर निहार रहा है। हम अपने तन पर कोई भी परिधान पहनते हों। पैंट- शर्ट, कुर्ता-पजामा, धोती या और कोई वस्त्र धारण करते हों। लाल, पीला, काला, सफेद, नीला या किसी भी रंग का पहनते हों। हम किसी भी जाति धर्म के मानने वाले हों। सबसे पहले हम भारतीय हैं और हम सबके अंतर्मन में भगवा रंग बसा हुआ है। आज पूरा देश राममय हैं। भगवा मय है। भारत ही वह देश है, जो पूरे संसार का मार्गदर्शन करेगा। पूरे विश्व में सनातन हिंदू धर्म की जय होगी। हम सब इसके सहभागी बनेंगें। कुटुंब प्रबोधन में ओज गुण के राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास का पाथेय प्राप्त हुआ।

' जग सिर मोर बनेगा भारत दुनिया देखेगी, विश्व गगन में फहराएंगे ध्वज वह भगवा होगा' परिवार को भारतीय समाज ने प्रमुख स्थान दिया है, परिवार जनों में मेल-जोल होना आवश्यक है। सभी मिलजुल कर रहें। सभी अपने दुख दर्द में सहभागी बने तो समाज के साथ-साथ हमारा देश भी खुशहाल होगा। संगठन मंत्री बद्रीलाल पुरोहित एवं सुलेखाचार्य श्याम सुंदर शर्मा इंदौर ने सेवानिवृत होने वाले शिक्षक रोशनलाल जैन के संगठन के प्रति कर्तव्य, निष्ठा एवं त्याग मय जीवन के बारे में बताया। ब्लॉक शाखा जावद द्वारा अध्यक्ष अंबालाल मेघवाल, दिनेश सेन, कानसिंह राठौड़, कमलेश बाड़ीका आदि ने प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विजय तिवारी, सचिव सुनील शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती भारती बैरागी, हीरालाल मेघवाल, नंदकिशोर गुर्जर, राकेश पुरोहित, बलवंत सिंह हाडा, विष्णु पालीवाल, देवेंद्र गोराणा, पवन पटेल, मन्नालाल गंगवाल, कमल अग्रवाल, शांतिलाल धाकड़, शौकीन कीर, राजेंद्र शर्मा सहित मध्य प्रदेश शिक्षक संघ - शाखा नीमच के तहसील, ब्लाक एवं जिला इकाई के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं एवं नगर के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। आयोजन में पत्रकार गोपालदास बैरागी कड़ी खुर्द को डॉ.अमित जैन ने मंच के माध्यम से सम्मानित किया। आयोजन में विशेष रूप से क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, मंडल अध्यक्ष अर्जुन माली, सरपंच, उपसरपंच, राजेंद्र सिंह राठौड, आदिनाथ गौशाला संचालक विमल जैन, कैलाश सोनी, रामनारायण राठौर, भरत चौधरी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन रमेश गोस्वामी जन शिक्षक द्वारा किया गया। सेवा निवृत शिक्षक रोशनलाल जैन के सुपुत्र डॉ. अमित जैन ने पितलिया परिवार की ओर से सभी आगंतुक अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रबुद्धजनों के प्रति आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की समाप्ति कल्याण मंत्र के साथ हुई। सभी का सामूहिक सहभोज भी हुआ।

जमीन विवाद में पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। पुराने जमीन विवाद को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी पर प्रकरण दर्ज किया। आवना कचरिया निवासी पुष्पेन्द्र पिता सुरेश शर्मा ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पुराने जमीन विवाद को लेकर उमरावसिंह पिता लालसिंह सोंधिया ने रास्ता रोककर गाली-गलौज की, लात-घुसों व लकडी से पीटा, पीठ, हाथ, पैर में चोंट आई। पुलिस ने उमरावसिंह के खिलाफ केस दर्ज किया।

पर्यावरण दिवस मनाओ

पौधा चाहे हम
एक ही लगाएं
करें देखभाल
उसे पेड़ बनाएं।
जैसे हम पालेंगे
वह हमें पालेगा
जीवन के लिए
प्राण वायु निकलेगा।
रोकना है पारा
सब पौधे लगाओ
करो वृक्षारोपण
पर्यावरण दिवस मनाओ।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

प्रकृति एक धरोहर

आओ प्रकृति को संभालें,
पर्यावरण को बचाएं।
वृक्षों की रक्षा करें,
और पृथ्वी को सजाएं।
हवा को शुद्ध रखें,
जल का बचाव करें।
प्राकृतिक संतुलन को बनाएं,
सभी को इसमें शामिल करें।
प्रदूषण को हम मिटाएं,
और वन्यजीवों को बचाएं।
पर्यावरण को हम संवारें,
यही हमारा धर्म बनाएं।
अब तक किया जो भी दोहन
आओ मिलकर धरती माँ को करके नमन
हृदय से पश्चाताप करे और वादा करें
चाहे जो भी हो जाये
अब कोई भी प्रकृति को नकुसान नही पहुंचाए।।

डॉ आरती जैन

5 जून पर्यावरण दिवस विशेष....

पोलीथीन के कारखाने जब तक प्रतिबंधित नहीं होगे, पर्यावरण शुद्ध नहीं होगा

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। आज सम्पूर्ण संसार पर्यावरण दिवस मना रहा है जहां अन्य दिवसों को चाहे वे अंतर्राष्ट्रीय हो अथवा राष्ट्रीय उन्हें महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाता है ताकि आमजन को उनके प्रति ध्यान आकर्षित हो परन्तु मेरा मानना है, इसे केवल पर्यावरण दिवस न कहते हुए यदि इस दिवस को पर्यावरण विनाश दिवस कहा जाये तो लोगों का विशेष ध्यान जायेगा कि विनाश शब्द क्यों प्रयुक्त किया गया।

कारण स्पष्टहै कि अन्य अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की तरह पर्यावरण दिवस भी विगत कई वर्षों सें जब से पर्यावरण प्रदूषित हुआ मनाते आ रहे है परन्तु क्या कभी किसी ने यह सोचने-समझने की कोशिश की है कि पर्यावरण में सुधार हुआ है या हो रहा है, दिन पर दिन ओर बिगाड़ता जा रहा है। प्रतिवर्ष केवल 5 जून एक दिवस ही नहीं समय-समय पर पूरे विश्व को जिसने अदृश्य डायनोसोर भयंकर दैत्य की तरह अपने आगोष में ले रखा है उससे पिण्ड छुड़ाने जगह-जगह सेमीनार-कार्यशालाएं प्रदर्शन नाटक-रेलियां-क्या-क्या नहीं किया जा रहा है पर्यावरण को बचाने के लिये परन्तु स्थिति जस की तस नहीं रहकर ओर भयावह होती जा रही है। सम्पूर्ण विश्व और विश्व की प्रमुख संस्था संयुक्त राष्ट्र स्वयं चिन्तित है। नये-नये अविष्कार-अणु-परमाणु हाइड्रोजन जैविक बमों का अविष्कार, आकाश में सेटेलाइट-जहरीली गैसों से पूरा नभ मण्डल, अंतरीक्ष आच्छादित हो जाना- लगभग 2 साल से रूस-यूक्रेन युद्ध में नये-नये हथियारों-मिसाईलों से सम्पूर्ण वायुमण्डल जहरीला हो गया, साल भर से इजराईल-हमास संघर्ष और जुड़ गयाहै। अमेरीका-नाटो-चीन-इरान आदि परमाणु शक्ति देश भी इनमें सहभागी बनने के मन-मन ही सपने संजोते रहते है। सोचो ये जितने शस्त्रों का प्रयोग और उनसे जो जहरीले धुआं के आग के गुब्बारे/गोले छोड़े जा रहे है ये आग के गोले कोई बर्फ-आईस्क्रीम के गोले और धुआं किसी इत्र का गुब्बार तो है नहीं जो वायुमण्डल शीतल ठण्डा और सुगंधित हो जायेगा।

युद्ध की विभिषिकाओं को छोड़ों हम तो हमारे आस-पास चाहे बमों-मिसाईलों का जहरीला धुआं-धरती-आकाश को थर्राने वाली गर्जना नहीं हो परन्तु इन सबसे बढ़कर एक ओर जो बड़ा दुश्मन है वह है प्लास्टिक-पन्नी-पाउच्च-पोलीथीन जहां देखो वहीं पहाड़ सरीखे ढेर पड़े मिल जायेंगे। एक रिपोर्ट अनुसार समुद्र की बात करें तो 1.10 टन करोड़ कचरा तो तल में जमा हो चुका है और यह बढ़ता जा रहा है। भारत में प्रतिदिन 25940 टन कचरा निकलता है जिसका ढेर लाल किले के समान पहाड़ का रूप ले लेता है। जिसकी वजह से मानव ही नहीं पशु पक्षी भी इनकी चपेट में आकर अकाल मृत्यु के ग्रास बन रहे है और विडम्बना यह है कि इनके उत्पादन के कारखाने जड़ मूल से बंद होने के बदले और बढ़ते जा रहे है। पन्नी-पाउच्च-पोलीथीन न तो सड़ते है और नहीं गलते है और धरती पर इनके अम्बार ने धरती माता में जाकर धती माता की उर्वरा शक्ति को नष्टकर जहां अस्त्र-शस्त्रों के प्रहार के धुएं से आकाश-वायुमण्डल प्रदूषित हुआ- हो रहा है वहीं पन्नी-पाउच्च-पोलीथीन के कचरे ने धरती को बर्बाद कर दिया है। इसलिये सरकारों चाहे यूएस हो या चाहे राष्ट्रीय हो जहां-जहां भी इनके कारखाने संचालित है उन्हें तत्काल कानूनन प्रतिबंधित कर देना चाहिये और यदि ऐसा नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब खेत खलिहान धन-धान्य से भरे हुए नहीं और बाग बगीचे फूलों-फलों से गुलजार नहीं बल्कि पन्नी-पाउच्च-पोलीथीन-प्लास्टिक के पहाड़ों (अम्बार) से ढके हुए दिखेंगे। म.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहनजी यादव ने हाल ही में म.प्र. के समस्त नदी नालों-बावड़ियों-बगीचों आदि को 5 जून पर्यावरण दिवस से 15 जून तक स्वच्छ रखने- इनसे अतिक्रमण हटाने के लिये सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया है। यह सराहनीय कदम है। इसलिये माननीय मोहनजी का साधुवाद है परन्तु इसके साथ ही पर्यावरण जिससे सबसे ज्यादा प्रदूषित हो रहा है राजस्थान की तरह म.प्र. में भी पन्नी-पाउच्च-पोलीथीन को कानूनन प्रतिबंधित कर देना चाहिये। इससे प्रदेश प्रदूषण से बच जायेगा।

बंशीलाल टांक, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	118	2300	2401
उडद	0000	0000	0000
सोयाबीन	4142	3981	4751
गैहु	3500	2375	3101
चना	267	6000	6770
मसुर	255	5500	6200
धनिया	125	4800	7400
लहसुन	13000	5711	18500
मैथी	1100	4500	6200
अलसी	1300	5600	6170
सरसो	270	5100	5450
तारामीरा	2	4740	4740
इसबगोल	82	10779	13821
प्याज	1480	600	1750
कलोंजी	49	13000	20150
डॉलर	17	8200	10200
तिल्ली	125	9981	12900
मटरसुखी	15	3500	5600
असालीया	103	8400	10099

मामला पेट्रोल पंप कर्मचारी से 10 लाख रूपए से ज्यादा की लूट का...

मुनीम ने ही रची थी फर्जी लूट की कहानी!

कालूखेड़ा थाना पुलिस ने किया खुलासा

जावरा, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। सोमवार 03 जून को उस समय सनसनी मच गई थी, जब कि कालूखेड़ा थाना क्षेत्र के मावता स्थित पेट्रोल पंप के सह संचालक ने अपने साथ 10 लाख रूपए से ज्यादा की लूट की कहानी पुलिस को बताई। उसने बताया कि दो बाईक पर 4 जन सवार होकर आए और पिस्टल अड़ाकर पेट्रोल पंप के 10 लाख 56 हजार रूपए छीनकर भाग निकले। सभी बदमाशो ने नकाब लगा रखा था। मामले की प्रारम्भिक जांच में आवेदन असत्य होना पाया गया था। इधर पेट्रोल पम्प संचालक दिनेश डिया ने अपने सह संचालक निलेश राठौर पर पेट्रोल पम्प की राशि का गबन करने व धोखाधडी कर झुठी कहानी रचने के सम्बध मे आवेदन दिया। जिसके अवलोकन व निलेश राठौर द्वारा प्रस्तुत आवेदन जांच पर प्राप्त साक्ष्यो से उत्पन्न संदेह के आधार पर मामला अपराध धारा 409, 420, 424, 203, 120बी भादवि का पाया जाने से थाना कालुखेड़ा पर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

दरअसल मावता पेट्रोल पम्प सह संचालक निलेश राठौर द्वारा 03 जून 24 को दिये गये 10 लाख 56 हजार रूपये की लूट सम्बधी आवेदन पत्र की गम्भीरता को दृष्टिगत रखते हुये पुलिस टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। जिसमे घटना स्थल पर प्राप्त साक्ष्य व निलेश द्वारा बताई गई घटना मे काफी भिन्नता होकर संदेह उत्पन्न हुआ। सायबर सेल की टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों का अवलोकन किया गया। घटना स्थल से लगे हुये मार्गो एवं गांवो के आसपास के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन, पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मचारी व ग्रामीण जनो से पुछताछ पर निलेश राठौर पर करीबन 4-5 लाख रूपये का कर्जा होना व पम्प पर कुल 08 लाख 17 हजार रूपये की राशि कम होना ज्ञात हुआ। जबकि, निलेश द्वारा 10 लाख 56 हजार रूपये की राशि लुट होना बताया जा रहा था।

इधर इसी सम्बध मे पेट्रोल पम्प संचालक दिनेश डिया द्वारा अपने सह संचालक निलेश राठौर पर शंका जाहिर करते हुये अपने पेट्रोल पम्प पर 08 लाख 17 हजार रूपये की राशि के गबन करने के सम्बध मे आवेदन पेश किया गया। जिससे निलेश द्वारा पुलिस के समक्ष पेश किये गये लूट सम्बधी घटना के आवेदन की असत्यता को बल मिला। जिस पर अपराध धारा 409, 420, 424, 203, 120बी भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। विवेचना के दौरान आरोपी निलेश राठौर को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर सुझबुझ व हिकमतअमली से पुछताछ की गई। जिसमे आरोपी द्वारा अपने अन्य चार साथियो चिमन पिता बंशीलाल पाटीदार निवासी ग्राम मावता, आजाद पिता मोहम्मद शाह निवासी ग्राम मावता, आबिद शाह उर्फ गोलु पिता सुल्तान शाह निवासी मावता, कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता भंवरलाल कुमावत निवासी ग्राम बेहपुर के साथ मिलकर षडयंत्र रचकर लूट की झूठी सुचना देकर पेट्रोल पम्प की राशि गबन करने व अपने साथी कान्हा के घर पर छुपाना बताया। सभी आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से गबन की राशि 08 लाख 17 हजार रूपये व घटना मे प्रयुक्त दो बाईक जप्त की गई।

निवेशकों के 31 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स 4 हजार 389 अंक गिरकर 72 हजार 79 पर बंद हुआ

सरकारी बैंकों का इंडेक्स 15 प्रतिशत नीचे

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन 4 जून को सेंसेक्स 4 हजार 389 अंक (5.74प्रश) की गिरावट के साथ 72 हजार 79 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 1 हजार 379 अंक (5.93प्रश) की गिरावट रही। ये 21 हजार 884 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 शेयरों में तेजी रही। एनटीपीसी और एसबीआई के शेयरों में करीब 15 प्रश की गिरावट रही। एलटी पावर ग्रिड के शेयर 12 प्रतिशत से ज्यादा नीचे है। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में करीब 5.74 प्रतिशत की तेजी रही।

एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 15.14प्रतिशत टूटा है। ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 11.80 प्रश की गिरावट रही। निफ्टी मेटल में 10.63 प्रश और रियल्टी में 9.62 प्रश की गिरावट रही। ऑटो सेक्टर भी 3.33 प्रश नीचे बंद हुआ।

बाजार की गिरावट में निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपए डूबे...

शेयर बाजार में तेज बिकवाली से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। मंगलवार, 4 जून को उनकी वेल्थ लगभग 31 लाख करोड़ रुपए कम हो गई। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 395 लाख करोड रुपए हो गया। एक दिन पहले यह लगभग 426 लाख करोड था।

2020 में कोरोना के कारण 5.94 प्रश टूटा था बाजार...

मई 2020 के बाद ये बाजार की सबसे बड़ी गिरावट है। तब कोरोना के कारण बाजार 5.94 प्रतिशत टूटा था। 30 अप्रैल को सेंसेक्स 33 हजार 717 के स्तर पर था जो 4 मई को 2002 अंक गिरकर 31 हजार 715 के स्तर पर आ गया था। 1, 2 और 3 मई 2020 को शेयर बाजार बंद था।

सोमवार को ऑलटाइम हाई बनाया था...

लोकसभा चुनाव नतीजों से एक दिन पहले 3 जून को सेंसेक्स 2 हजार 777 पॉइंट की तेजी के साथ 76 हजार 738 और निफ्टी 808 पॉइंट चढकर 23 हजार 338 पर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में बाजार अपने उम्रभरी स्तरों से थोडा नीचे आया और सेंसेक्स 2 हजार 507 पॉइंट चढकर 76 हजार 468 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 733 पॉइंट चढा और 23 हजार 263 के स्तर पर बंद हुआ था।

छह दिन बाद भी पीजी में प्रवेश के लिए नहीं हुआ सीट अलॉटमेंट

भोपाल, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मेडिकल स्टूडेंट के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) के प्रवेश के लिए अब तक सीट अलॉटमेंट लेटर जारी नहीं हुए है। प्रदेशभर के सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों के लिए संयुक्त रूप से सेंट्रलाइज्ड ऑनलाइन एडमिशन की ई-प्रवेश प्रक्रिया जब से शुरू हुई है, तब से पहली बार ऐसा हुआ है कि सीट अलॉटमेंट की तय तारीख के 6 दिन बाद भी उच्च शिक्षा विभाग सीट अलॉटमेंट नहीं कर पाया है। बीते पांच सालों में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। इसके कारण हजारों छात्र परेशान हो रहे हैं। फर्स्ट राउंड की काउंसलिंग के दौरान रजिस्ट्रेशन, च्वाइस फिलिंग व दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया से गुजर चुके छात्र तो परेशान हो ही रहे हैं, साथ में वो छात्र भी परेशान हो रहे हैं, जो एडमिशन लेने के लिए सेकंड राउंड की प्रोसेस में शामिल होना चाहते है। पर, रजिस्ट्रेशन नहीं करा पा रहे हैं। इधर, जब छात्र जवाब मांग रहे हैं तो उच्च शिक्षा विभाग के कंट्रोल रूम और सर्विस प्रोवाइडर एजेंसी एमपी ऑनलाइन की ओर से अलग-अलग जवाब मिल रहे हैं। दोनों एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं।

प्राचार्यों को नहीं पता कॉलेज के लिए प्रवेश प्रक्रिया क्यों रुकी..?

मेडिकल कॉलेज में पीजी में एडमिशन प्रोसेस क्यों रोकी गई है? इस सवाल का जवाब जानने भोपाल के शासकीय कॉलेजों के प्राचार्यों से चर्चा की गई तो उनके पास भी इसका जवाब नहीं है। उनका कहना है कि विभाग ने वीडियो कांफ्रेंसिंग रखी है। संभावना है कि इस दौरान विभाग की ओर से जानकारी दी जाए। यानी सब कुछ विभाग स्तर पर ही हो रहा है। एडमिशन प्रक्रिया के बीच में 20 मई को पीजी में एडमिशन की अर्हता संबंधी नियम बदल दिया। इसके अनुसार छात्र ने यूजी में जिस विषय को मेजर विषय बनाया है, उसी से वो पीजी कर सकेगा। लेकिन ऑनलाइन एडमिशन प्रोसेस पुराने नियम से चले। सत्यापन भी हो गया। ऐसे में विभाग अब तक इसका हल नहीं ढूंढ सका है।

तकनीकी वजह एमपी ऑनलाइन से पूछें...

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ईप्रवेश के लिए कंट्रोल रूम के नंबर पर कॉल करने पर एक महिला ने कॉल रिसीव किया। सवाल करने पर जवाब मिला कि तकनीकी कारणों से सीट अलॉट मेंट नहीं हो सका है। तकनीकी कारण क्या हैं ये एमपी ऑनलाइन की ओर से पता चल सकेगा। आप एडमिशन पोर्टल चैक करते रहिए। नाम पूछने पर महिला ने अपना नहीं बताया।

सेवानिवृत्ति के बाद समाज सेवा भी लक्ष्य बने-विधायक जैन

पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी रामचन्द्र मालवीय के सेवानिवृत्ति पर समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। किसी भी विभाग में कार्यरत कर्मचारी अधिकारी की जब सेवा पूर्ण होकर सेवानिवृत्ति होती है तो उसके बाद अधिकांश निवृत्ति कर्मचारी अधिकारी घर पर ही समय व्यतीत करते हैं। लेकिन लंबे समय तक विभागीय सेवा का अनुभव यदि समाज के लिए प्रेरणादायक हो तो सामाजिक बदलाव का सूत्रपात किया जा सकता है।

यह बात मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन ने यहां आयोजित एक सेवानिवृत्ति समारोह को संबोधित करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि नगर के कौशल्या परिसर में मंदसौर पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी श्री रामचंद्र मालवीय के सेवानिवृत होने पर समारोह आयोजित किया गया था। उक्त समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, वरिष्ठकृषि वैज्ञानिक श्री नरेंद्र सिंह सिपानी, अनूपपुर जिला के सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक श्री एम एल सोलंकी ,अरनोद तहसीलदार श्री के. एल मालवीय और पटकथा - संवाद लेखक व फिल्म निर्देशक श्री प्रदीप शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा की पुलिस विभाग की सेवा प्रतिपल चुनौती भरी होती है और कानून व्यवस्था को लेकर कई बार कर्मचारियों अधिकारियों को परिवार से दूर रहना पडता है। ऐसी विषम परिस्थितियों में श्री रामचंद्र मालवीय ने अपनी सेवा के 41 वर्ष पूर्ण किए जो प्रशंसनीय है। समारोह को वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक श्री नरेंद्र सिंह सिपानी और श्री प्रदीप शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर श्री मालवीय की जीवनी समय चक्र पुस्तक का विमोचन भी अतिथियों द्वारा गया। समारोह में 251 नीम के पौधे भी वितरित किए गए। अंत में आभार श्री सतीश मालवीय ने व्यक्त किया।

कुर्सी से उठने की कहा तो पीटा, 2 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। खेल मैदान में कुर्सी से उठने की बोला तो मारपीट की। पुलिस ने दो आरोपियों पर केस दर्ज किया। बरुजना रोड नारायणगढ निवासी धर्मेन्द्र पिता उंकारलाल गुर्जर ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेल मैदान में क्रिकेट मेच देखने गया था। वहां अमन पिता शिवलाल माली कुर्सी पर बैठा था, मैंने कुर्सी से उठने की बोला तो अमन के साथ ही दिनेश पिता प्रभुलाल माली आ गया, दोनों ने मेरे साथ लात-घुसों से मारपीट की, बीच-बचाव करने आए मेरे दोस्त मनोज पिता किशोर खारोल को भी पीटा। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर रेफर कर दिया। प्रीएलएलसी रिपोर्ट आने के बाद नारायणगढ पुलिस ने दिनेश व अमन के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

पत्नी को पीटा, पति पर केस

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। पति ने पत्नी को पीटा, पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पित्याखेडी निवासी टीनाबाई बंजारा ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पति राहुल पिता नरभेसिंह ने घर का कार्य करने के दौरान गाली-गलौज की मना किया तो लात-घुसों से मारपीट की। पुलिस ने आरोपी राहुल पर केस दर्ज किया।

ढोल बजाने वाले को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। ढोल बजाने के दौरान पीछे र हने की बोला तो युवक के साथ मारपीट की, पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पिपलिया कराड़िया निवासी विष्णु पिता दिलीप दमामी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं गांव में ढोल बजा रहा था, मैंने खण्डेरिया मारु निवासी शुभम पिता रामू दमामी को मैंने पीछे होने की बोला तो शुभम ने गाली-गलौज की व मारपीट की, ढोल के डंडे से सिर पर मारी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने शुभम के खिलाफ केस दर्ज किया।

मजिस्ट्रेट के आदेश का उल्लंघन, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। थाने पर हाजरी नही देने पर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के अअनुसार पिपलियापंथ निवासी कान्हा उर्फ कन्हैयालाल पिता मुकेश गुर्जर को जिला बदर आदेश प्रकरण में जिला मजिस्ट्रेट मंदसौर ने तीन माह के लिए प्रतिमाह की 1 व 16 तारिख को संबंधित थाने पर उपस्थिति देने का आदेश दिया था। लेकिन 16 मई व 1 जून को आरोपी पिपलिया थाने पर हाजिरी देने के लिए उपस्थित नही हुआ। मजिस्ट्रेट के आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 14 राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत प्रकरण दर्ज किया।

उद्यानिकी महाविद्यालय में जैव, अपशिष्ट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के निर्देशानुसार उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर में मिशन लाईफ के तहत् 10 दिवसीय मूल्य संवर्धित प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अंतर्गत जैव/ अपशिष्ट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में बी.एस.सी. चतुर्थ वर्ष (ई.एल.पी.) के 40 छात्रों ने सहभागिता दर्ज की।

गौरतलब है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि/उद्यानिकी के अवशेषों का समुचित प्रबंधन एवं उनके मूल्य संवर्धन पर विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक रूप से छात्रों को प्रशिक्षित करना है ताकि बदलते कृषि/उद्यानिकी परिवेश से छात्र रूबरू हो सके। उक्त कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. आर.पी. पटेल (कार्यक्रम समन्वयक), डॉ. आर.एन. कानपुरे एवं डॉ. राजीव दुबे (कार्यक्रम संयोजक) द्वारा तैयार की गई। कार्यक्रम में 20 उद्यानिकी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न शीर्षकों पर व्याख्यान दिए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम संरक्षक डॉ. आई.एस. तोमर द्वारा प्रेरणास्वरूप अपने अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा करते हुऐ अवशेष प्रबंधन के गुर सिखाए और बदलते कृषि/उद्यानिकी परिवेश में बताया की अवशेष प्रबंधन से कैसे मूल्य संवर्धन कर खेती की उत्पादकता को बढावा और टिकाऊपन को बरकरार रखा जा सकता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम समन्वयक द्वारा विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिकों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

ग्राम भारती की अगुवाई में नवीन आचार्य वर्ग का शुभारंभ

भानपुरा, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। गरोठग्राम भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर आचार्य दीदी के विकास हेतु नवीन आचार्य वर्ग वित्त प्रबंधन वर्ग का आज वर्ग ध्वजारोहण कर हवन पूजन कर उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अथिति के रूप में कैलाश राठौर सचिव जिला समिति, जगदीश सिंह राठौड जिला प्रमुख गरोठ, कैलाश मीणा वर्ग संयोजक शामिल हुए।

इस अवसर पर संबोधन जगदीश सिंह राठौड द्वारा दिया गया आपने विद्या भारती की विकास यात्रा विस्तृत प्रकाश डालते हुए विद्या भारती योजनाओं को विस्तृत रूप से समझाया जिसमें भारतीय संस्कृति प्राचीन शिक्षा पद्धति विद्या भारती द्वारा संचालित गतिविधि तथा वर्तमान परिक्षेत्र की शिक्षा पर प्रकाश डाला गया है। कार्यक्रम का संचालन गंगा प्रसाद व्यास द्वारा किया गया। व्यक्तिगत गीत लालचंद सेन मुख्य शिक्षक द्वारा प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त जानकारी जिला प्रचार प्रसार प्रमुख जगदीश चंद्र राठौर व जिला सह प्रचार प्रमुख उत्सव भट्ट द्वारा दी गई।

बड़े अस्पताल की नई बिल्डिंग से गिरा युवक, मौत

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल की नई बिल्डिंग में कार्यरत गुजरात का एक मजदूर मंगलवार अल सुबह छत से गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बड़े अस्पताल में निर्माणाधीन एक ईमारत में मजदूरी करने वाले मजदूर जसवंत पिता छब्बा उम्र 35 साल निवासी रिछावरी गुजरात हमेशा की तरह निर्माणाधीन इमारत की छत पर सोया था। मंगलवार सुबह अचानक वह छत से नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो के सुपूर्द किया गया। बताया जा रहा है कि युवक शराब पीने का आदी था और छत पर सोने के दौरान नींद में लोट लगाते हुए गिर गया होगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

मानव मात्र की सेवा करने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति होती है-विधायक जैन

अपना घर में बच्चों को भोजन, फल, ड्राईफ्रूट, कपड़े और आइसक्रीम वितरण

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। महावीर इंटरनेशनल मंदसौर के तत्वावधान में संस्था के कार्यकारिणी सदस्य भावेश बक्षी द्वारा अपने पिता स्व. श्री राजेन्द्र कुमार बक्षी की पुण्यतिथि के अवसर पर अपना घर में बच्चों को भोजन कराया गया, साथ ही फल, ड्राईफ्रूट, और आइसक्रीम भी वितरित किया गया।

संस्था अध्यक्ष सीए आयुष जैन ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था संरक्षक विधायक विपिन जैन, अपना घर अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष दीपक भूता, अपना घर संस्थापक अध्यक्ष राव विजयसिंह, महावीर इंटरनेशनल जॉन अध्यक्ष राकेश जैन, जॉन कोषाध्यक्ष संजय चौधरी मंचासीन थे। संस्था संरक्षक विधायक विपिन जैन ने बक्षी परिवार द्वारा आयोजित इस सेवा कार्य की अनुमोदना और सराहना की और साथ ही प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि मानव की सेवा सबसे बडा धर्म है। हर सदस्य को मानव सेवा हेतु कार्य करते रहना चाहिए। मानव मात्र की सेवा करने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति होती है। अपना घर अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने बताया समाज सेवा संगठन के सहयोग से मंदसौर में स्थित अपना घर बिना किसी शासकीय अनुदान के पच्चीस वर्षो से संचालित हो रहा है। उन्होंने महावीर इंटरनेशनल संस्था की सराहना करते हुए बताया कि यह संस्था नियमित रूप से अपना घर में प्रोजेक्ट आयोजित करते रहते है। विशिष्टअतिथि दीपक भूता ने बताया हर परिवार को ऐसे अवसर पर सेवा प्रकल्प आयोजित करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर और मेरी भावना प्रार्थना से हुआ। स्वागत उद्बोधन देते हुए जॉन चेयरमैन राकेश जैन ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल संस्था भावना दिन रात मेरी सब सुखी संसार हो इस बात को साक्षात्कार करने हेतु सेवा प्रकल्प आयोजित करती है। अगले सप्ताह संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण और कपडे की थैली प्रोजेक्ट आयोजित होंगे। संस्था सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों और बक्षी परिवार का स्वागत और बहूमान किया गया। संस्था सदस्य अभय पोखरना द्वारा बच्चों को कपडे भी भेट किए गए। आभार सचिव अरुण अग्रवाल ने माना। यह जानकारी प्रोजेक्ट चेयरमैन पंकज कच्छारा (एलआईसी) और यश व्यास ने दी। इस अवसर में पिंकेश बक्षी, श्रीमती अंतिम बक्षी, राजेश नामदेव, मनीष परमार, धर्मेंद्र बाफना, शंकरलाल सेठिया, मांगीलाल राठौर, रवि भंडारी, सत्यनारायण गोयल, ओम गोयल, कपिल व्यास, केसी अग्रवाल, दिलीप मेहता, गोपाल पंचारिया, संस्था के पदाधिकारी, कार्यकारिणी और वीरा सदस्य उपस्थित थे।

कला संकाय की प्रोजेक्ट मौखिकी परीक्षा आज

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। सत्र 2023-24 में महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत बी. ए. प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के फील्ड प्रोजेक्ट मौखिकी परीक्षा का आयोजन स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलोदा में दिनांक 05/06/2024, बुधवार को प्रात: 10:00 बजे फील्ड प्रोजेक्ट मौखिकी परीक्षा आयोजित की जा रही है। सभी विद्यार्थी अनिवार्यत: उपस्थित रहे।

✲ उठावना ✲

हमारी माताजी, राजेश, अनिल, रोहित, पीयूष, चिन्टू की दादीजी श्रीमती शिवदेवी पति स्व. कृष्णगोपाल शर्मा का निधन 2 जून को हो गया है। उठावना 5 जून को शाम 5 बजे पोरवाल धर्मशाला पिपलियामंडी पर रखा गया है।

✲✲✲ शोकाकुल ✲✲✲
दिनेश, अरविन्द, महेश, संतोष एवं शर्मा (सांई) परिवार, पिपलियामंडी

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी उपखण्ड मंदसौर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक/अ-20(2)/2023-24
इश्यू क्रमांक-905/री-1/2023
मंदसौर, दिनाक 16/05/2024
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन

✲ सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति ✲

सर्व साधारण एवं जनता मंदसौर तहसील मंदसौर को यह सूचित किया जाता है कि आवेदक मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मंडल द्वारा ग्राम साबाखेडा द्वारा ग्राम साबाखेडा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 2506 रकबा 10.21हे. सर्वे क्रमांक 2476 रकबा 2.88 सर्वे क्रमांक 2475 रकबा 1.09 सर्वे क्रमांक 2474 रकबा 0.37 सर्वे क्रमांक 2480 रकबा 3.34 सर्वे क्रमांक 2477 रकबा 0.18 सर्वे क्रमांक 2478 रकबा 0.12 सर्व क्रमांक 2481 रकबा 0.17 भूमि पर आवासीय हेतु भूमि आबंटित किया जाने की मांग की गई।

आवेदक के अतिरिक्त अन्य कोई उक्त भूमि का आरक्षण समान प्रयोजन के लिये अथवा प्रश्नाधीन भूमि का आवंटन चाहता है तो वह भी अपना दावा अपनी अर्हताओं के विवरण के साथ कंडिका 09 की अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए इस न्यायालय को सार्वजनिक सूचना में उल्लेखित नियम अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगा।

अत: मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल भूमि आवंटित किये जाने के विषय में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो वह इस प्रकरण में नियत पैशी दिनांक 12/06/2024 तक स्वयं अथवा किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के उपरान्त प्रस्तुत की गई किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। सर्व संबंधित सूचित हो।

आज दिनांक 03/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी की गई।

अनुविभागीय अधिकारी
उपखण्ड मंदसौर म.प्र